बौद्ध धर्म और जैन धर्म

बौद्ध धर्म

बुद्ध का जीवन

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में शाक्य क्षत्रिय वंश में लुम्बिनी में हुआ था
- उनके पिता सुधोधन कपिलवस्तु के राजा थे और माँ महामाया कोल्लिया गणराज्य की राजकुमारी थीं
- उनके पिता ने कम उम्र में ही उनकी शादी यशोधरा कर दी, जिनसे उन्हें एक बेटा राहुल हुआ।
- चार दर्शन - एक बूढ़ा व्यक्ति, एक रोगग्रस्त व्यक्ति, एक मृत शरीर और एक तपस्वी, उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुए.
- 29 वर्ष की आयु में, उन्होंने घर त्याग दिया, यह उनका महाभिनिष्करमण था और वह एक भटकने वाले तपस्वी बन गए।
- उनके पहले शिक्षक अलारा कलाम थे जिनसे उन्होंने ध्यान की तकनीक सीखी थी।
- 35 वर्ष की आयु में, बोधगया में निरंजना नदी (आधुनिक नाम फल्गु) के किनारे एक पीपल के पेड़ के नीचे उन्होंने 49 दिनों के निरंतर ध्यान के बाद निर्वाण (ज्ञान) प्राप्त किया।
- बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को दिया, इसे धर्मचक्र प्रचार के रूप में जाना जाता है।
- उनका 80 वर्ष की आयु में 483 ईसा पूर्व में कुशीनगर में निधन हो गया। इसे महापरिनिर्वाण के नाम से जाना जाता है।
- कंथका-बुद्ध का घोड़ा, चन्ना-बुद्ध का सारथी, देवदत्त-बुद्ध का चचेरा भाई, सुजाता-किसान की बेटी जिसने उन्हें बोधगया में चावल दूध दिया और बुद्ध के अन्य नाम - गौतम (वंश नाम) सिद्धार्थ (बचपन का नाम), शाक्य मुनि हैं

बौद्ध धर्म के सिद्धांत

चार महान सत्य

यह बौद्ध धर्म का सार है

1. जीवन दुःख से भरा हुआ है (दुखा)
2. दुःख के कारण हैं (दुखा समुदय)
3. इस दुःख को रोका जा सकता है (दुखा निरोधा): निर्वाण।
4. दुःख के निवारण के लिए एक मार्ग है: अष्टंसिका मार्ग

त्रिरत्न: बुद्धत्व के तीन रत्न

1. बुद्ध (प्रबुद्ध)
2. धर्म (सिद्धांत)
3. संघ (सम्प्रदाय)
    - बुद्ध भगवान और आत्मा में विश्वास नहीं करते थे।
    - उन्होंने कर्म और अहिंसा पर जोर दिया

जैन धर्म

- जैन परंपरा के अनुसार 24 तीर्थंकर थे, पहले ऋषभदेव / आदिनाथ और अंतिम महावीर थे।
- ऋग्वेद में दो जैन तीर्थंकरों- ऋषभ और अरिष्टनेमि का नाम मिलता है।
- सभी तीर्थंकर जन्म से क्षत्रिय हैं।
- हमारे पास केवल अंतिम दो पार्श्वनाथ (23 वें) और महावीर (24 वें) का ऐतिहासिक प्रमाण है।

महावीर का जीवन

- महावीर का जन्म 540 ईसा पूर्व बिहार के एक गाँव कुंडग्राम में वैशाली के निकट हुआ था।
- उनके पिता सिद्धार्थ वैशाली के वज्जी के अंतर्गत ज्ञानत्रिक क्षत्रिय वंश के प्रमुख थे और उनकी माता त्रिशला वैशाली के राजा चेतका की बहन थीं। महावीर का संबंध मगध के शासक बिम्बिसार से भी था, जिन्होंने चेतक की बेटी चेलाना से शादी की थी।
- महावीर का विवाह यशोदा से हुआ था और उन्होंने एक बेटी अनोजा या प्रियदर्शिनी को जन्म दिया, जिसका पति जमाली, महावीर का पहला शिष्य बना।
- 42 वर्ष की आयु में, ऋजुपल्लिका नदी के तट पर जिम्भिकाग्रम में एक साल वृक्ष के नीचे, महावीर ने कैवल्य (सर्वोच्च ज्ञान) प्राप्त किया।
- तब से उन्हें केवलिन (परिपूर्ण सीख) कहा जाता था। जीना या जितेन्द्रिय (जिसने अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त की), नृग्रंथ (सभी बंधनों से मुक्त), अरहंत (धन्य) और महावीर (बहादुर) और उनके अनुयायियों का नाम जैन रखा गया।
- उन्होंने पावा में अपने 11 शिष्यों (11 गन्धर्वों के नाम से जाना जाता है) को अपना पहला उपदेश दिया। बाद में, उन्होंने पावा में एक जैन संघ (जैन सम्प्रदाय) की स्थापना की।
- 468 ईसा पूर्व में 72 वर्ष की आयु में उनका निधन बिहार के बिहारशरीफ के पास पावापुरी में हुआ। सुधर्मा केवल 11 गणधर में से एक था जो महावीर की मृत्यु के बाद बच गया था

TEACHERS adda247

जैन धर्म के सिद्धांत

जैन धर्म के **त्रिरत्न**

अस्तित्व त्रिरत्न के माध्यम से प्राप्त करना है

1. सम्यक् विश्वास: यह तीरथंकरों में विश्वास है।
2. सम्यक् ज्ञान: यह जैन पंथ का ज्ञान है।
3. सम्यक् कार्य / आचरण: यह जैन धर्म की 5 **व्रतों** का अभ्यास है

जैन धर्म के पाँच व्रत

1. अहिंसा (क्षति न पहुँचाना)
2. सत्य (झूट न बोलना)
3. अस्तेय (चोरी न करना)
4. परिग्रह (अधिकार न करना)
5. ब्रह्मचर्य (शुचिता)

पहले चार व्रत पार्श्वनाथ ने दिए थे. महावीर द्वारा पांचवा जोड़ा गया।

- महावीर ने वैदिक सिद्धांतों को खारिज कर दिया।
- वह कर्म में विश्वास करते थे और आत्मा का संचरण करते थे।
- उन्होंने तपस्या और अहिंसा के जीवन की वकालत की।
- दुनिया के दो तत्व: जीवा और आत्म

TEST SERIES
Bilingual
KVS PRT
30 TOTAL TESTS
Validity : 12 Months